श्री कार्तीक दामोदर स्तोत्रं

श्री कार्तीक दामोदर स्तोत्रं

मत्स्याकृतिधर जयदेवेश वेदविभोदक कूर्मस्वरूप |
मंदरगिरिधर सूकररूप भूमिविधारक जय देवेश || 1 ||

कांचनलोचन नरहरिरूप दुष्टहिरण्यक भंजन जय भो |
जय जय वामन बलिविध्वंसिन् दुष्टकुलांतक भार्गवरूप || 2 ||

जयविश्रवसः सुतविध्वंसिन् जय कंसारे यदुकुलतिलक |
जयवृंदावनचर देवेश देवकिनंदन नंदकुमार || 3 ||

जयगोवर्धनधर वत्सारे धेनुकभंजन जय कंसारे |
रुक्मिणिनायक जय गोविंद सत्यावल्लभ पांडव बंधो || 4 ||

खगवरवाहन जयपीठारे जय मुरभंजन पार्थसखेत्वं |
भौमविनाशक दुर्जनहारिन् सज्जनपालक जयदेवेश || 5 ||

शुभगुणगणपूरित विश्वेश जय पुरुषोत्तम नित्यविबोध |
भूमिभरांतक कारणरूप जय खरभंजन देववरेण्य || 6 ||

विधिभवमुखसुर सततसुवंदित सच्चरणांबुज कंजसुनेत्र |
सकलसुरासुरनिग्रहकारिन् पूतनिमारण जयदेवेश || 7 ||

यद्भ्रूविभ्रम मात्रात्तदिदमाकमलासनशंभुविपाद्यं |
सृष्टिस्थितिलयमृच्यतिसर्वं स्थिरचरवल्लभसत्त्वं जयभो || 8 ||

जय यमलार्जुनभंजनमूर्ते जय गोपीकुचकुंकुमांकितांग |
पांचाली परिपालन जय भो जय गोपीजनरंजन जय भो || 9 ||

जय रासोत्सवरत लक्ष्मीश सतत सुखार्णव जय कंजाक्ष |
जय जननीकर पाशसुबद्ध हरणान्नवनीतस्य सुरेश || 10 ||

बालक्रीडनपर जय भो त्वं मुनिवरवंदितपाद पद्मेश |
कालियफणिफणमर्दन जय भो द्विजपत्न्यर्पित मत्सिविभोन्नं || 11 ||

क्षीरांबुधिकृतनिलयन देव वरद महाबल जय जयकांत |
दुर्जन मोहक बुद्धस्वरूप सज्जन बोधक कल्किस्वरूप |
जय युगकृत् दुर्जन विध्वंसिन् | जय जय जय भो जय विश्वात्मन् || 12 ||

इति मंत्रं पठन्नेव कुर्यान्नीराजनं बुध: |
घटिकाद्वयशिष्टायां स्नानं कुर्याद्यथाविधि |
(अन्यथा नरकं याति यावदिंद्राश्चतुर्दश) ||इति श्री कार्तीक दामोदर स्तोत्रं संपूर्णं||